अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयुर्वेद-योग-नाथपंथ 2025

पर

तिथि : 12-01-2025 से 14-01-2025

आयोजक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर गोरखपुर

उत्तर प्रदेश, भारत

स्थान

पंचकर्म सभागार
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा
गोरखपुर–273007, उत्तर प्रदेश, भारत

- आयुर्वेद
- योग
- नाथपंथ

आयुर्वेद प्राचीन आर्यों द्वारा प्रचलित जीवन का विज्ञान है, जो हिंदुओं के सबसे पुराने ग्रंथों में से एक अथर्ववेद पर आधारित है। आयुर्वेद औषधियां प्राकृतिक रूप से प्राप्त औषधियों जैसे पादप सामग्री, पशु उत्पाद और खनिज से उत्पाद प्राप्त औषधियों से आयुर्वेद यौगिक फार्मूले का उपयोग करके तैयार किया जाता है। इन कच्चे माल को आयुर्वेद पद्दति से संशोधित करके तरीके एक विशिष्ट फार्मास्युकल के साथ तैयार किया जाता है। आयुर्वेद यौगिक सूत्रों का मुख्य उद्देश्य, मानव शरीर प्रणाली का सामान्य कामकाज के लिए जरुरी तीन दोष (जीनोमिक्स) यानि वात, पित्त, और कफ के असंतुलन का प्रतिकार करने एवं उन्हें नियमित करने के लिए है आवश्यक एकल औषधियों को एकत्रित कर द्वारा। योग, आयुर्वेद का अभिन्न अंग है। शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। योग को योगाभ्यास और आसन के अनुप्रयोग के रूप में परिभाषित किया गया है। स्वास्थ्य स्थितियों का उपचार और इसमें योगाभ्यास शामिल है। संरचनात्मक कमी या कमी को रोकने के लिए प्रथाएं और शिक्षाएं, शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक पीड़ा, पीड़ा और वृद्धि समग्र कल्याण और जीवन की गुणवत्ता। नाथपंथ योग विद्यालय और रसशास्त्र का मानव जाति के लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है। नाथपंथ (नाथ संप्रदाय, नाथ संप्रदाय) के अंतर्गत एक धार्मिक संप्रदाय है हिंदू धर्म का 'शैव संप्रदाय'। की उत्पत्ति से प्रारम्भ माना जाता है पौराणिक देवता और भगवान शिव के अवतार 'दात्रेय'। दात्रेय है के संस्थापक या 'आदि गुरु' (प्रथम शिक्षक) माने जाते हैं नाथ सम्प्रदायण् नाथ संप्रदाय भोग–विलास और साधना करने वाली परंपरा है कई प्रकार की परंपराएं जैसे योग, तंत्र, मंत्र आदि। ऐसा माना जाता है कि गोरखनाथ भी इसी कुल के संत थे। वह इस परंपरा में सिद्ध योग जैसी कई नई परंपराएं जोड़ीं। नाथ के संत माने जाने वाले 'नागा साधुओं' से भी जुड़े हैं उच्चतम रैंक संतों में नाथों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है पदानुक्रम। गोरखनाथ स्वयं अनेकों सहित शिव के अवतार थे शक्तियां और जादू की विस्तृत श्रृंखला का ज्ञान, मंत्रमुग्धता, मंत्र, जादू–टोना, जादू–टोना। श्री योगी आदित्य नाथ जी महाराज वर्तमान में गोरखनाथ मठ के महंत हैं नाथ सम्प्रदाय वर्तमान में नाथ संप्रदाय संपूर्ण भारत और नेपाल में प्रचलित है।

अधिकांश सिद्ध या योगी या सिद्ध प्राणी से संबंधित हैं नाथ संप्रदाय को रस सिद्ध या कीमियागर के नाम से भी जाना जाता है। वह ऐसे ही है प्रक्रियाओं का उपयोग करने के उनके प्रयोगों के कारण संदर्भित किया गया। जीवनकाल बढ़ाएं और व्यक्ति को मुक्ति पाने का मौका दें एक ही जीवन काल के भीतर योग और नाथ सिद्ध आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं और अधिकतर यौगिक हैं आज जो तकनीकें और पाठ पढ़ाए जाते हैं, उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है नाथ योगी प्राचीन काल के वैज्ञानिक थे, जो इसके माध्यम से विधियाँ और तकनीकें उनके शरीर और दिमाग को परिष्कृत करने में सक्षम थीं आइन एक आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध अवस्था। नाथ योगियों ने ऐसी प्रथाओं और तरीकों को तैयार किया शुद्धिकरण और डी–कंडीशनिंग और यह विज्ञान बन गया जिसे हठ योग या राज योग के नाम से जाना जाता है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य इसका आकलन करना है आयुर्वेद, योग के उपचारात्मक प्रभाव और नाथ का पालन करने की आवश्यकता है पंथ द्वारा मनुष्यों को शारीरिक और मानसिक कल्याण प्रदान करना संपूर्ण विश्व को मन–शरीर की फिटनेस प्रदान करना। यह इंटरनेशनल सम्मेलन भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और विस्तृत जानकारी देता है नाथ दर्शन के साथ–साथ यौगिक प्रथाओं की समझ और आयुर्वेद।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर :

शिव अवतार महायोगी गुरु की कृपा एवं आशीर्वाद से गोरक्षनाथ जी और संत की प्रेमपूर्ण प्रेरणा और आशीर्वाद से शिरोमणि गोरक्ष पीठाधीश्वर परम् पूज्य ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने जिनके प्रति संकल्प किया था एजूकेशन के वर्तमान पीठाधीश्वर गोरक्षपीठ एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की स्थापना की वर्ष 2021 में गोरखपुर को व्यापकता प्रदान करने की दृष्टि से चिकित्सा, आयुर्वेद, नर्सिंग, संबद्ध स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवाएं विज्ञान, फार्मेसी, पैरामेडिकल, कृषि, प्रबंधन और कानून वगैरह। इन व्यापक सेवाओं के अंतर्गत।

समिति

मुख्य संरक्षक

श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
कुलाधिपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

संरक्षक

प्रो. उदय प्रताप सिंह

पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालयए जौनपुर, उ.प्र.
प्रतिकुलाधिपति महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

अध्यक्ष

मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

कुलपति, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

संयोजक

डॉ. के.आर.सी. रेड्डी

वरिष्ठ प्रोफेसर, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग
आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बी.एच.यू., वाराणसी

आयोजन सचिव

डॉ. विनम्र शर्मा

एसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग
गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान, एमजीयूजीए गोरखपुर

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति

गई लेविन
इजराइल

डॉ. एस. प्रसाद वी.
यू.एस.ए.

एमिल जियोर्जिव
कनाडा

डॉ. शेखर ए.
यू.एस.ए.

प्रो. प्रियानी पेरिस
श्रीलंका

लोना रेलुचा वाईसु
रोमानिया

सोल ईसटीफेनिया सेनेनस
अर्जेंटीना

डॉ. वीरारत्ना
श्रीलंका

श्रीमती अनत लेविन
इजराइल

डॉ. एरिक रोशनबुश
यू.एस.ए.

राष्ट्रीय सलाहकार समिति

डॉ. जी.एन. सिंह
तकनीकी सलाहकार, उ.प्र. सरकार

डॉ. सी.के. कटियार
सलाहकार, इमामी लिमिटेड, भारत

डॉ. जय प्रकाश नारायण
बंगलौर, भारत

डॉ. ए.के. सिंह
कुलपति एम.जी.जी.आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर

डॉ. मायाराम उनियाल
देहरादून, भारत

डॉ. राजीव राय
निदेशक, अनुसंधान एवं विकास इकाई, इमामी लिमिटेड, भारत

डॉ. जी.एस. तोमर
अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, प्रयागराज, भारत

निकटवर्ती दर्शनीय स्थल

विश्वनाथ मन्दिर वाराणसी

गोरखपुर शहर उड़ान सेवाओं, सड़क मार्गों और रेल से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। गोरखपुर शहर विभिन्न प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थलों से भी घिरा हुआ है।

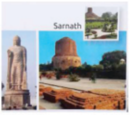

सारनाथ

गोरखनाथ मन्दिर

राम मन्दिर, अयोध्या

गोरखपुर शहर नेपाल के लुम्बिनी, काठमांडू आदि स्थानों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

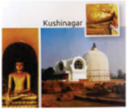

कुशीनगर

पंजीकरण के विवरण

पंजीकरण शुल्कः रु. 3,000/–

*नोट : पंजीकरण शुल्क में आवास, भोजन और चयनित शोध या समीक्षा पत्रों के प्रकाशन के प्रसंस्करण शुल्क शामिल हैं।

स्वीकृत शोध या समीक्षा लेख क्लेरिवेट, वेब ऑफ साइंस, ओपन एक्सेस जर्नल में अनुक्रमित इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन (आईजेएएम) के विशेष अंक में प्रकाशित किए जाएंगे। टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट साइज–12 के साथ 4000 शब्दों वाला पेपर जर्नल के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वीकार किया जाएगा। हालाँकि, अधिक सामग्री वाले पेपरों पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। 08 अक्टूबर 2024 के बाद प्राप्त पेपर पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रारंभिक पंजीकरण : 08 अक्टूबर 2024।

पंजीकरण हेतु : https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSf4-zuKY0v7MVgun2_PLonkFWJtqrVcMp8U5b8HmM8XGyMiGA/viewform?usp=sf_link

पेपर जमा करने के लिए शोध विषय :

- आयुर्वेद में वर्तमान शोध
- योग की प्रथाएं और आयुर्वेद के हस्तक्षेप के साथ योग में अनुसंधान।
- नाथ संप्रदाय का संबंध योग और आयुर्वेद से है।

शोध पत्र जमा करने के लिए : **ayu_nath@mgug.ac.in**

संपर्क करें : मोबाइल : 91+7985098174

बैंक खाता विवरण

Account number:	0666000100480362
IFSC	PUNB0066600
Name of the bank	Punjab National Bank
Bank Branch	Industrial area, Gorakhpur
Beneficiary name	Seminar Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur